

## जनजाति विकास निधि (टीडीएफ़) के उद्देश्य/ The objective of TDF

अन्य बातों के साथ-साथ लघु बागों और अन्य कृषि और कृषीतर गतिविधियों को विकसित करने के माध्यम से सहभागिता संधारणीय आजीविका कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, जिनका उद्देश्य संधारणीय कृषि के माध्यम से आर्थिक उत्थान, सामाजिक सशक्तीकरण, स्वास्थ्य और महिला विकास सहित जीवन की गुणवत्ता में सुधार, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ)/ समुदाय आधारित संगठनों (सीबीओ)/ कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके), कॉर्पोरेट आदि के माध्यम से सहायता प्राप्त देश के जनजाति प्रमुख क्षेत्रों में सुधार करना है।

Promote sustainable participatory livelihood programmes by developing small orchard and other on and off farm activities which inter alia, aim at economic uplift through sustainable agriculture, social empowerment, improvement in quality of life including health and women development, in tribal predominant areas of the country supported through Non-Government Organisations (NGOs)/Community Based Organisations (CBOs)/ KVKs, Corporates etc.

नाबार्ड द्वारा सहायता प्राप्त टीडीएफ़ परियोजनाओं के मूल तत्व हैं:

**The basic elements** of the TDF projects supported by NABARD are:

- दो फसलों का एक या दो एकड़ का एक छोटा बगीचा  
A small orchard of one or two acre of two crops
- कृषि संबद्ध और कृषीतर क्षेत्र से संबंधित गतिविधियाँ  
Agri. allied & off farm sector activities
- विकास के प्रति परिवार आधारित दृष्टिकोण  
Family based approach towards development
- संधारणीयता- मॉडल की सफलता के लिए कुंजी  
Sustainability – key for success of the model
- परियोजना का सामुदायिक स्वामित्व

Community ownership of project

- जनजाति परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के उपाय

Measures to improve the quality of life of tribal families

- सहकारी समितियों के गठन द्वारा संस्थागत निर्माण

Institutional building by formation of cooperatives

- कृषि उपज के प्रसंस्करण और विपणन के लिए सहयोग

Support for processing and marketing of farm produce

**टीडीएफ़ के लक्ष्य/ TDF aims to**

- क्षेत्र की संभावनाओं और जनजातीय आवश्यकताओं पर आधारित संधारणीय आय सृजन गतिविधियों को अपनाने से **सहभागिता के आधार पर** जनजातीय परिवारों के समेकित विकास के प्रतिकृति मॉडल तैयार करना.

Create replicable models of integrated development of tribal families, **on participatory basis**, through adoption of sustainable income generating activities based on potential of the area and the tribal needs;

- **जनजातीय संस्थाओं का निर्माण** और उन्हें मजबूत बनाना जिससे नीति निर्माण, कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए भागीदार बनाने में समुदायों को सक्षम बनाया जा सके.

build and **strengthen tribal institutions** which would enable the communities to be partners in policy formulation, execution of programs and improve social and economic status.

- सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाना, इनपुट आपूर्ति, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, एकीकरण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन की सुविधा के लिए एफपीओ जैसे सामुदायिक संस्थानों को बढ़ावा देना। इसका उद्देश्य आदिवासी किसानों को मूल्य श्रृंखला में एकीकृत करना है, जिससे उन्हें उपभोक्ता मूल्य का बड़ा हिस्सा प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके।

enhance sustainability, advocate promotion of community institutions such as FPOs, to facilitating input supply, technology transfer, aggregation, processing, value addition, and marketing. It is to integrate tribal farmers into the value chain, enabling them to receive a greater share of the consumer price.